एम.एच.डी.-21

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) जोगी म्हाँने दरस दियाँ सुख होइ ।
नातरि दुखी जग मांहि जीवड़ो निसिदिन झूरै तोइ ।
दरस दिवानी भई बावरी, डोली सब ही देस ।
मीरां दासी भई है पंडुरी, पलट्या काला केस ।।

(ख) भावभगत भूषण सजे, सील संतोष सिंगार ।
ओढ़ी चूनर प्रेम की, गिरधरजी भरतार ।।
ऊदाँ बाई मन समझ, जावो अपने धाम ।
राजपाट भोगो तुम्हीं, हमें न तासूँ काम ।।

(ग) पानी में मीन प्यासी, मोहे सुन सुन आवत हाँसी ।
आत्मज्ञान बिन नर भटकत है,
कहाँ मथुरा कहाँ कहाँ कासी ।
भवसागर सब हार भरा है, ढूँढत फिरत उदासी ।
मीरा के प्रभु गिरधरनागर, सहज मिले अबिनासी ।

(घ) हरि से गरब किया सोई हारा ।
गरब किया रतनागर सागर, जल खारा कर डारा ।
गरब किया लंकापति रावण, टूक टूक कर डारा ।
गरब किया चकवे चकवी ने, रैन बिछोहा डारा ।
गरब किया बन की चिरमी ने, मुख कारा कर डारा ।
इन्दर कोप किया बृज ऊपर, नख पर गिरवर धारा ।
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, जीवन-प्राण हमारा ।

2. मीरा के युग की सामाजिक आधारभूमि का परिचय दीजिए । *10*

3. मीरा की प्रेमभावना के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए । *10*

4. मध्यकालीन भारतीय भक्त कवयित्रियों का परिचय दीजिए । *10*

5. मीरा की काव्यकला में पद-रचना तथा उक्ति-विन्यास के महत्त्व स्पष्ट कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) वाचिक लोक परम्परा में मीरा

(ख) आंदाल

(ग) गुजरात में भक्ति आंदोलन

(घ) मीरा के युग की संगीत परम्परा